HINDI

हिन्दी

PAPER—III

प्रश्न-पत्र—III

नोट : यह प्रश्न पत्र कुल चार (4) खण्डों में विभाजित है। पूरा प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंकों का है। परीक्षार्थियों को चार खण्डों में विभाजित प्रश्नों के उत्तर यथास्थान दिये गये आवश्यक निर्देशों के अनुसार देने हैं।

www.examrace.com

खण्ड—I

निर्देश : *निम्नलिखित गद्य-अवतरण के आधार पर अधोलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस-तीस (30-30) शब्दों में दीजिये। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।*

खण्ड - I

पूँजी और शिक्षा, जिसे मैं पूँजी ही का एक रूप समझता हूँ, इनका क़िला जितनी जल्द टूट जाय, उतना ही अच्छा है। जिन्हें पेट की रोटी मयस्सर नहीं उनके अफसर और नियोजक दस-दस, पांच-पांच हजार फटकारें, यह हास्यास्पद हैं और लज्जास्पद भी। इस व्यवस्था ने हम ज़मींदारों में कितनी विलासिता, कितना दुराचार, कितनी पराधीनता और कितनी निर्लज्जता भर दी है, यह मैं खूब जानता हूँ, लेकिन मैं इन कारणों से इस व्यवस्था का विरोध नहीं करता। मेरा तो यह कहना है कि अपने स्वार्थ की दृष्टि से भी इसका अनुमोदन नहीं किया जा सकता। इस शान को निभाने के लिए हमें अपनी आत्मा की इतनी हत्या करनी पड़ती है कि हममें आत्माभिमान का नाम भी नहीं रहा।

1. क़िला टूटने से क्या अभिप्राय है ?

www.examrace.com

2. इस गद्यांश में सामंती-समाज का क्या स्वरूप है ?

3. सामंत यथास्थिति का पोषक होता है, क्यों ?

www.examrace.com

4. 'हममें आत्माभिमान का नाम भी नहीं रहा' से क्या आशय है ?

5. इस गद्यांश में लेखकीय दृष्टिकोण को स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

खण्ड—II

निर्देश : निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अधिकतम तीस (30) शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के पाँच (5) अंक हैं।

6. पुष्टिमार्ग से क्या अभिप्राय है ?

7. तुलसीदास के मर्यादा भाव के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

8. जायसी के विरह-वर्णन की ऊहात्मकता पर प्रकाश डालिए।

9. रीति-बद्ध और रीति-सिद्ध का अंतर स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

10. द्विवेदी-युगीन इतिवृत्तात्मकता को स्पष्ट कीजिए।

11. निराला काव्य के 'वीर-भाव' को स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

12. प्रगतिवाद के मूल-भाव पर प्रकाश डालिए।

13. कुंवर नारायण की मिथकीय चेतना की चर्चा कीजिए।

www.examrace.com

14. 'बाणभट्ट की आत्मकथा' के इतिहास-बोध की चर्चा कीजिए।

15. कल्पना और यथार्थ का अन्तर स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

16. 'अंधेर नगरी' के बाज़ार-दृश्य पर प्रकाश डालिए।

17. विद्यानिवास मिश्र के निबंधों की लोक संसृति का विवेचन कीजिए।

www.examrace.com

18. स्थायी-भाव और संचारी-भाव का अंतर स्पष्ट कीजिए।

19. अनुप्रास-अलंकार के विभिन्न भेदों की चर्चा कीजिए।

www.examrace.com

20. आई.ए. रिचर्ड्स के संप्रेषण-सिद्धान्त के मूल स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—III

निर्देश : निम्नलिखित ***चार वैकल्पिक वर्गों*** में से ***किसी एक वर्ग*** का चुनाव करें और ***उसी वैकल्पिक वर्ग*** के ***पाँचों प्रश्नों*** का उत्तर दें।

प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम दो सौ (200) शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के बारह (12) अंक हैं।

विकल्प—I : (भक्ति काव्य)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

मोरी चुनरी में परि गयो दाग पिया।
पाँच तत्त की बनी चुनरिया, सोरहसै बँद लागे जिया।
यह चुनरी मोरे मैकतें आई, ससुरे में मनुवाँ खोय दिया।
मलि मलि धोई दाग न छूटे, ज्ञान को साबुन लाय पिया।
कहैं कबीर दाग कब छुटि हैं, जब साहब अपनाय लिया।

22. कबीर के भावात्मक रहस्यवाद पर प्रकाश डालिए।

23. पद्मावत में लोकतत्व का निरूपण कीजिए।

24. भ्रमरगीत प्रसंग में सूर की मौलिक उद्भावना की चर्चा कीजिए।

25. तुलसीदास ने संत के क्या लक्षण बताएँ हैं? स्पष्ट कीजिए।

www.examrace.com

विकल्प—II (छायावाद)

21. निम्नलिखित काव्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

विषमता की पीड़ा से व्यस्त
हो रहा स्पंदित विश्व महान;
यही दुख सुख विकास का सत्य
यही भूमा का मधुमय दान।

22. छायावाद की वैचारिक पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए।

23. निराला की रचनात्मकता 'वादों' का अतिक्रमण करती है – चर्चा कीजिए।

24. 'पल्लव' की भूमिका का काव्य-चिंतन में एक ऐतिहासिक महत्व है' – स्पष्ट कीजिए।

25. 'महादेवी वर्मा के रचना संसार का ताना-बाना दुख, वेदना, पीड़ा और करुणा से निर्मित है' – विचार कीजिए।

विकल्प—III (कथा-साहित्य)

21. निम्नलिखित गद्यांश की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए।

विद्रोही हृदय की एक विशेषता है कि वह अपने विकास में फैलते हुए नूतनतम विचारों को अपनाकर भी विद्रोही ही रह जाता है; क्योंकि वह अपने काल के अग्रणी लोगों से भी आगे ही रहता है। इसी लिए तो प्रतिक्रियावादी जर्मनी में उत्पन्न होकर और पलकर भी आइनस्टाइन विद्रोही हैं, और संसार के सबसे विराट्, सबसे अधिक आग्नेय घोरतम युग प्रवर्त्तक रूसी क्रान्ति की गोद में पलकर भी स्टेलिन विद्रोही नहीं हो पाया, जूठन बीननेवाला ही रह गया है।

22. मध्यवर्ग के उदय के साथ हिन्दी उपन्यास का विकास जुड़ा है – स्पष्ट कीजिए।

23. 'निपुणिका की चरित-सृष्टि रचनाकार की नारी-मुक्ति की आकांक्षा हैं' – विचार कीजिए।

24. 'दलित साहित्य समता, न्याय और बंधुत्व की आधार शिला पर खड़ा साहित्य है' – स्पष्ट कीजिए।

25. समकालीन हिन्दी कहानी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

विकल्प—IV (काव्यशास्त्र और आलोचना)

21. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' – विश्लेषण कीजिए।

22. 'अनुमितिवाद' पर प्रकाश डालिए।

23. डॉ० रामविलास शर्मा की आलोचना-दृष्टि को स्पष्ट कीजिए।

24. वर्ड्सवर्थ के काव्य-भाषा सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

25. विखण्डनवाद की अवधारणा पर प्रकाश डालिए।

www.examrace.com

खण्ड—IV

निर्देश : निम्नलिखित विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर अधिकतम एक हजार (1000) शब्दों में निबंध लिखिए। इस प्रश्न के चालीस (40) अंक हैं।

26. (क) भक्ति आन्दोलन और लोकजागरण।

(ख) छायावादी काव्य में प्रेम और सौन्दर्य।

(ग) हिन्दी के महाकाव्यात्मक उपन्यास।

(घ) समकालीन हिन्दी आलोचना।

www.examrace.com

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....

www.examrace.com